Ch. 7 रथ-चक्र

शब्दार्थ :

रथ चक्र = समय का चक्र
शैशव = बचपन
विषाद = सुख और दुख
स्मृतियाँ = यादें
अकाल = असमय
ठेंगा दिखा दिया - निराश करना
परिणाम = नतीजा
वजीफा = छात्रों को शिक्षा के लिए सहायता देना धन के रूप में।
बखान = प्रशंसा भरा वर्णन।
पौधा = छोटे पौधे
पदोन्नति = पद में तरक्की
चल बसे = मृत्यु होना
रास न आई = अच्छा न लगना।
चैत = चैत्र
बहुमूल्य = कीमती
खमासान = भयंकर
मुक्तिवाहिनी = बांग्लादेशी छापामार संगठन
वीर गति को प्राप्त हो गया = युद्ध में लड़ते हुए मारा जाना।
वज्रपात = भारी विपत्ति
असहय = जो सहन न हो।

Scanned By Scanner Go

मौखिक :
(क) कहानी में "मैं" शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?
- कहानी में 'मैं' शब्द का प्रयोग छोटे भाई के लिए किया गया है, क्योंकि लेखक अपनी और अपने परिवार की कहानी सुना रहा है जो कि उसके स्मृति पटल पर अंकित है।

(ख) बड़े भय्या पढ़ने कहाँ गए थे ?
- बड़े भय्या पढ़ने में बहुत अच्छे और कुशाग्र थे। पिता जी की इच्छा थी कि वे अपने बच्चों को अच्छी तरह पढ़ालें और दादा जी भी अपने मृत बेटे की इच्छा को पूरा करना चाहते थे इसलिए दादा जी ने बड़े भय्या को पढ़ने के लिए अल्मोड़ा भेज दिया क्योंकि वहाँ अच्छे स्कूल थे।

(ग) बड़े भाई कहाँ नौकरी करते थे ?
- पढ़ाई खतम करने के बाद बड़े भय्या ने फौज में नौकरी की और बड़े पद पर भी पहुँच गए।

घ घर पर माँ अकेली क्यों रह गई थी ?
- बड़े भय्या फौज में भरती हो गए थे और छोटा भाई दिल्ली में नौकरी करने लगा था। बाबा का स्वर्गवास हो गया था। दीदी की शादी पहले ही हो

Scanned By Scanner Go

चुकी थी। इसलिए घर पर मैं बिल्कुल अकेली रह गई थीं।

लिखित

क रथचक्र शब्द से लेखक का क्या तात्पर्य है?

- रथचक्र शब्द से लेखक का तात्पर्य जीवन चक्र से है। जिस प्रकार रथ का पहिया निरन्तर घूमता रहता है और आगे बढ़ता रहता है, इसी प्रकार जीवन कभी रुकता नहीं है। हमारे प्रियजन हमें छोड़कर चले जाते हैं परन्तु जीवन न रुकता है और न थकता है। वह अपनी गति से आगे बढ़ता रहता है।

(ख) फलों के जो वृक्ष बाबा तथा बड़े भैया ने लगाए थे उनका क्या हुआ?

- जो व्यक्ति कार्य करता है वह उस कार्य को ठीक प्रकार से भोग नहीं सकता उसकी आने वाली पीढ़ियां उसके फल को भोगती हैं इसलिए फलों के जो वृक्ष बाबा और बड़े भय्या ने लगाए थे वे अब फलने फूलने लगे थे और उन्हें अब घर के बाकी सदस्य खाने लगे थे।

ग अब उनमें पौधे मुझे रोपने हैं — इन शब्दों द्वारा लेखक क्या कहना चाह रहा है?

- इन शब्दों द्वारा लेखक कहानी के नायक की कर्तव्य भावना की बात कर रहा है। नायक के पिता की मृत्यु के बाद —

Scanned By Scanner Go

दादा ने अपने पोतों की देखभाल की। बड़े भाई के वीरगति पाने के बाद अब छोटे भाई की बारी है कि वह बड़े भय्या के बच्चों की देखभाल करे।

घ. माँ ने फिर कभी अपनी होने वाली बहू का जिक्र क्यों नहीं किया?

— माँ घर में अकेली रहती थीं। अकेलेपन उन्हें खटकता था। वह बार बार छोटे बेटे से विवाह करने के लिए कहतीं। परन्तु जब से बड़े बेटे ने युद्ध में वीरगति पाई थी और बड़े भाई के बच्चों की जिम्मेदारी छोटे बेटे पर आ जाने से माँ ने फिर कभी भी अपनी होने वाली बहू का जिक्र नहीं किया।

ङ. कहानी के किस पात्र ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया? कारण सहित लिखिए।

दादा जी के पात्र ने मुझे सर्वाधिक प्रभावित किया क्योंकि ढलती उम्र में पुत्र वियोग सहने के बाद भी उन्होंने स्वयं को और पुत्र के परिवार को संभाला। पुत्र के दोनों बेटों की शिक्षा पूरी करवाई और अपने बेटे के सपनों को पूरा किया। अच्छी शिक्षा पाने के बाद बड़ा बेटा फौज में चला गया और छोटा बेटा दिल्ली में नौकरी करने लगा।

Scanned By Scanner Go

च बड़े भाई को छोड़ने जाते समय बाबा ने उनसे क्या-क्या बातें की होंगी?

- बड़ा भाई अल्मोड़ा पढ़ने जा रहा था तो बाबा ने उनका सामान घोड़े में लदवा दिया और उन्हें दूर तक पहुंचाने गए तो बाबा ने उनसे जरूर यह कहा होगा कि तुम घर में बड़े हो और तुम्हारे पिता यह चाहते थे कि तुम अच्छी तरह से पढ़ाई करो इसलिए मैं तुम्हें अल्मोड़ा पढ़ने भेज रहा हूँ। तुम वहाँ मन लगा कर पढ़ना और किसी भी बुरी संगत में मत पड़ना क्योंकि अगर तुम्हारा मन भटका तो तुम्हारा छोटा भाई का मन भी पढ़ाई में नहीं लगेगा और वह कुछ नहीं बन पाएगा। तुम मेरे कलेजे के टुकड़े हो, फिर भी तुम्हारी पढ़ाई के लिए मैं तुम्हें इतनी दूर अल्मोड़ा पढ़ने भेज रहा हूँ।

भाषा से —

1. पाठ से चुनकर विपरीतार्थक शब्द लिखिए —

सायास	— अनायास	हानि	— लाभ
विषाद	— खुशी	जीवन	— मरण
सहय	— असहय	शान्ति	— अशान्ति
मेजबान	— मेहमान		
विफल	— सफल		
अस्पष्ट	— स्पष्ट		
विस्मृति	— स्मृति		

Scanned By Scanner Go

2. इन शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए —
स्मृतियाँ — स् + म् + ऋ + त् + इ + य् + आँ
स्पष्ट — स् + प् + अ + ष् + ट् + अ
ग्राहक — ग् + र् + आ + ह् + अ + क् + अ
अस्पताल — अ + स् + प् + अ + त् + आ + ल् + अ

3. उचित विशेषण लगाइए —
1. मिश्रित — स्मृतियाँ
2. सफेद — चेहरा
3. आकस्मिक — मृत्यु
4. भीगा — स्वर
5. न थमने वाले — आँसू

4 संन्धि विच्छेद कीजिए —
पदोन्नति — पद + उन्नति
वार्षिकोत्सव — वार्षिक + उत्सव
लोकोक्ति — लोक + उक्ति
सर्वोत्तम — सर्व + उत्तम
महोत्सव — महा + उत्सव
वृक्षारोपण — वृक्ष + आरोपण

Q5 Q6 नही है

लिखिए ये वाक्य सरल हैं या संयुक्त हैं —
1. जो होगा देखा जाएगा — मिश्रित
2. मैंने दिल्ली में नौकरी कर ली — सरल

Scanned By Scanner Go

Ch-7 रथचक्र

३. खाली समय में पढ़ता और इस तरह एक-एक सीढ़ी चढ़ता गया — संयुक्त वाक्य

४. बरफ से ढकी पहाड़ों की चोटियाँ पिघलते सोने की तरह चमक रहीं थी — सरल वाक्य

8. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण और क्रिया विशेषण रेखांकित करके लिखिए —

1. बड़े भैया पढ़ाई में तेज थे — क्रिया-विशेषण
2. तेरे लिए चाँद सी बहू ढूंढ ली है — विशेषण
3. उन्होंने अपनी बहुमूल्य घड़ी मुझे दे दी — विशेषण
4. वह देर से घर आएगा — क्रिया विशेषण
5. मेरे सामने हरा भरा बगीचा है — विशेषण

Scanned By Scanner Go